Q. No.	Total Marks	Obtained Marks
Uint-1-B	2.5	2
Unit-1-A	10	3.25
Unit-1-B	22.5	6
Unit-1-C	40	9
Unit-2-A	10	6.5
Unit-2-B	25	13.5
Unit-2-C	30	12
Unit-3-A	20	8.75
Unit-3-B	20	4.5
Unit-3-C	20	8.5
Total Obt. Marks in Figures	200	74
Total Obt. Marks in Words		Seventy Four

PART - I

Paper Code

P-1

27420

Medium of Exam

Hindi

Hindi ●

English ○

ination of the candidate shall be
ıdidate will be liable-
: Name, Address, Roll Number,

e questions.
इत्यादि नहीं लिखें। यहाँ तक कि पत्रादि
तें, प्रश्नोत्तर से असंबंधित वाक्य, शब्द
पूर्ण परीक्षा निरस्त की जाकर भविष्य में
।

he number of pages) then bring it
iable for that.
दें तथा उसे बदलवा लें, अन्यथा उसका

: Ball Point Pen before answering.
e Cover Sheet (OMR sheet).
ानीपूर्वक भरें । कवर पृष्ठ (ओ.एम.आर.

ng details have to be filled by the

ध्यान रखें कि कवर पृष्ठ (ओ.एम.आर.

r marks are indicated in each unit

ा यूनिट एवं भाग में अंकित हैं ।
lish versions of the question, the

रूपान्तर मान्य होगा ।
ıguage and script, unless directed

ही दिए जाएँ, जब तक कि प्रश्न विशेष के

should not write answer outside

से बाहर उत्तर नहीं लिखें । बॉर्डर लाइन के

be deducted.

ı only first answer will be assessed.
न्य दिया गया है और परीक्षार्थी द्वारा एक से अधिक प्रश्न हल किये जाते है तो ऐसी स्थिति में प्रथम उत्तर ही जाँचा जायेगा ।
y other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited.
ी इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है ।
f any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her
to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair**
applicable and Commission's Regulations. Commission may also debar him/her permanently from

या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए और
रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की
वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

ndidate or any attempt is made to damage the Question-Answer Booklet or any page is removed or
re examination shall be cancelled by the Commission, for which candidate will be liable.

प्रश्नोत्तर पुस्तिका को किसी प्रकार की क्षति पहुँचाई जाती है अथवा कोई पृष्ठ फाड़ा जाता है या उस पर किसी प्रकार का
संपूर्ण परीक्षा निरस्त की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा ।

CANDIDATE PLEASE READ CAREFULLY
अभ्यर्थी कृपया ध्यान से पढ़ें

Please note that the following act is strictly prohibited and will be treated as unfair means. The entire examination of the candidate shall be cancelled. Also, he/she may be debarred by the Commission from all the future examinations for which the candidate will be liable-

- **Writing any mark of identity inside the Question-Answer Booklet (including space for rough work) i.e. Name, Address, Roll Number, Mobile number etc. However in case of letter writing words like XYZ, ABC etc. can be used.**
- **Writing name of God, religious sign, irrelevant sentence, words and numbers other than the answers of the questions.**

प्रश्नोत्तर पुस्तिका (रफ कार्य के पृष्ठ सहित) के अंदर कहीं पर भी पहचान चिह्न यथा अपना नाम, पता, रोल नंबर, मोबाइल नंबर इत्यादि नहीं लिखें। यहाँ तक कि पत्रादि लेखन में भी नहीं लिखें (XYZ, ABC, अ ब स आदि लिखा जा सकता है)। कोई धार्मिक चिह्न, देवताओं के नाम, अनर्गल बातें, प्रश्नोत्तर से असंबंधित वाक्य, शब्द एवं अंक आदि भी न लिखें। ऐसा करने पर आयोग द्वारा इसे अनुचित साधन अपनाने का कृत्य माना जायेगा तथा अभ्यर्थी की संपूर्ण परीक्षा निरस्त की जाकर भविष्य में आयोजित की जाने वाली समस्त परीक्षाओं से विवर्जित करने की कार्यवाही की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा।

IMPORTANT INSTRUCTIONS (महत्त्वपूर्ण निर्देश)

(A) It should be ensured that the Question-Answer Booklet is provided in sealed polythene to the candidate.
अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि अभ्यर्थी को प्रश्नोत्तर पुस्तिका सीलबंद पॉलिथीन में प्रदान की गई है।

(B) If the Question-Answer Booklet is torn or not printed properly or some pages are missing (Please count the number of pages) then bring it to notice of invigilator at once and change the Question-Answer booklet, otherwise the candidate will be liable for that.
यदि प्रश्नोत्तर पुस्तिका कहीं से कटी-फटी या अमुद्रित है या पृष्ठ कम हैं (कृपया पृष्ठ गिन लें) तो तुरन्त अभिजागर के ध्यान में ला दें तथा उसे बदलवा लें, अन्यथा उसका दायित्व अभ्यर्थी का होगा।

(C) Please fill up all desired details properly on Cover Sheet (OMR sheet) of Question-Answer Booklet with **Blue Ball Point Pen** before answering. The Commission may also deduct 5 marks from the marks obtained if Roll Number is not filled correctly on the Cover Sheet (OMR sheet).
प्रश्नोत्तर पुस्तिका में प्रश्न हल करने से पूर्व कवर पृष्ठ (ओ.एम.आर. पत्रक) पर सभी वांछित विवरण **नीले बॉल पॉइंट पेन** से सावधानीपूर्वक भरें। कवर पृष्ठ (ओ.एम.आर. पत्रक) पर रोल नम्बर का त्रुटिपूर्ण अंकन करने पर आयोग द्वारा प्राप्तांकों में से 5 अंक काटे भी जा सकते हैं।

(D) This Cover Sheet (OMR sheet) consists of Two parts, in which some information is pre-printed, remaining details have to be filled by the candidate. Please ensure that this Cover Sheet (OMR sheet) is not torn or damaged.
कवर पृष्ठ (ओ.एम.आर. पत्रक) दो भागों में बंटा है, जिसमें कतिपय सूचनाएँ पूर्वमुद्रित हैं, शेष की पूर्ति अभ्यर्थी को करनी है। ध्यान रखें कि कवर पृष्ठ (ओ.एम.आर. पत्रक) कहीं से कटे-फटे नहीं अथवा किसी भी प्रकार से क्षतिग्रस्त नहीं हो।

(E) The question paper is divided into different units/parts. The number of questions to be attempted and their marks are indicated in each unit and part.
प्रश्न-पत्र विभिन्न यूनिट/भागों में विभाजित है। प्रत्येक यूनिट एवं भाग में हल किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या और उनके अंक उस यूनिट एवं भाग में अंकित हैं।

(F) If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English versions of the question, the **English version will be treated as standard.**
यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी या अंग्रेजी रूपान्तरों में से **अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा।**

(G) Attempt answers either in **Hindi or English**, not in both. For Language Papers, answer in concerned language and script, unless directed otherwise to write in Hindi or English specifically.
उत्तर **हिन्दी या अंग्रेजी** भाषा में से किसी एक में दीजिये, दोनों में नहीं। भाषा विषयक प्रश्नों के उत्तर उनकी संबद्ध भाषा व लिपि में ही दिए जाएँ, जब तक कि प्रश्न विशेष के लिए अलग से हिंदी या अंग्रेजी में उत्तर देने के लिए न लिखा गया हो।

(H) Candidates are directed to write answers only in the prescribed space of Question-Answer Booklet. They should not write answer outside the border line. Answer written outside the border line will not be checked.
अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें। बॉर्डर लाइन से बाहर उत्तर नहीं लिखें। बॉर्डर लाइन के बाहर लिखे गये उत्तर को जाँचा नहीं जायेगा।

(I) The candidates should not write the answers beyond the prescribed limit of words, failing this, marks may be deducted.
अभ्यर्थियों को उत्तर निर्धारित शब्द सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए। इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।

(J) If there is a choice to attempt one question out of many and the candidate attempts more than one question then only first answer will be assessed.
यदि कई प्रश्नों में से कोई एक हल करने का विकल्प दिया गया है और परीक्षार्थी द्वारा एक से अधिक प्रश्न हल किये जाते हैं तो ऐसी स्थिति में प्रथम उत्तर ही जाँचा जायेगा।

(K) Mobile Phone, watch, smart watch or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited.
मोबाइल फोन, घड़ी, स्मार्ट वॉच या अन्य किसी भी इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair means in Recruitment) Act, 2022,** other laws applicable and Commission's Regulations. Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए और **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जायेगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

Special Note :
If there is any wrong information filled by the candidate or any attempt is made to damage the Question-Answer Booklet or any page is removed or any marking as identification is done, then his entire examination shall be cancelled by the Commission, for which candidate will be liable.

विशेष नोट :
अभ्यर्थी द्वारा यदि कोई गलत सूचना अंकित की जाती है या प्रश्नोत्तर पुस्तिका को किसी प्रकार की क्षति पहुँचाई जाती है अथवा कोई पृष्ठ फाड़ा जाता है या उस पर किसी प्रकार का पहचान चिह्न अंकित किया जाता है, तो आयोग द्वारा उसकी संपूर्ण परीक्षा निरस्त की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा।

SPACE FOR ROUGH WORK

PAPER-I : GENERAL STUDIES & GENERAL KNOWLEDGE

Total Marks : 200

Total Questions : 48

Unit – I (75 Marks)

Part – A Marks : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. Who were the Dyodhidars ?

ड्योढ़ीदार किन्हें कहा जाता था ?

→ राज॰ में मध्यकालीन सामंती व्यवस्था में राजा द्वारा जिन सामंतों को विशेष सम्मान दिया जाता था उन्हें ड्योढ़ीदार कहा जाता था। → व्यवस्थात्मक दो प्रकार → इकहरी ड्योढी → सामंत के आने पर राजा को खड़े होकर अभिवादन; → दोवडी ड्योढी → सामंत के आने व जाने दोनों समय राजा द्वारा अभिवादन

→ यह युद्ध में वीरता प्रदर्शित करने वाले सामंतों के उत्तराधिकारियों को प्रदान की जाती थी।

0 (Zero) (Q.01)

2. Name any two dialects counted under Middle-Eastern Rajasthani or Dhundhadi.

मध्य–पूर्वी राजस्थानी अथवा ढूँढाड़ी के अन्तर्गत सम्मिलित किन्हीं दो बोलियों के नाम लिखिए।

→ क्षेत्र - जयपुर, टोंक, दौसा का क्षेत्र

→ उपबोलियाँ → जगरौती, नागरचोल

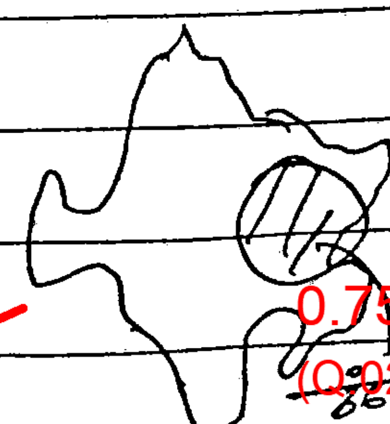

ढूंढाड़ी आधे क्षे॰

0.75(Zero¾) (Q.02)

3. How were Buddhism and Jainism different from the religion of Samhitas ? Underline two main differences.

बौद्ध और जैन मत संहिताओं में वर्णित धर्म से किस प्रकार भिन्न थे ? दो मुख्य भिन्नताओं को रेखांकित कीजिए।

① बौद्ध व जैन धर्म वेदों के ईश्वरीय रचना होने के सिद्धांत में विश्वास नहीं करते थे अर्थात नास्तिक थे।
② बौद्ध व जैन धर्म संहिताओं में वर्णित धर्म की तुलना में अधिक सरल व सामाजिक समानता (समतावादी) के पक्षधर थे।

1.25(One¼)
(Q.03)

4. What is Tin-Kthiya ?

तिन-कथिया क्या है ?

तीनकठिया अंग्रेजों द्वारा नील की खेती को प्रोत्साहित करने हेतु लागू पद्धति थी। जिसके तहत कुल भूमि के 3/20 भाग पर नील की खेती अनिवार्य थी। नुकसान- नील की खेती से जमीन का बंजर हो जाना, इसकी हानियों के विरुद्ध गांधीजी ने चंपारण आंदोलन का नेतृत्व किया।

1.25(One¼)
(Q.04)

5. Explain Universal Priesthood.

सार्वभौमिक पौरोहित्य का अर्थ स्पष्ट कीजिये।

– यूरोप में धर्म सुधार आंदोलन से पूर्व कैथोलिक धर्म में सार्वभौमिक पुरोहित्य की व्यवस्था थी।
– जिसके तहत रोम के चर्च का पोप कैथोलिक धर्म का सर्वोच्च धार्मिक व राजनीतिक प्रमुख था साथ ही

0 (Zero)
(Q.05)

Unit – I/Part – B Marks : 25

Note : Answer **all** the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : निम्न में से **सभी** प्रश्नों के उत्तर **50-50** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं।

6. Explain the following terms related to Rajasthani Literature :
   (1) Vat
   (2) Vachnika

   राजस्थानी साहित्य से सम्बन्धित निम्नलिखित पदों की व्याख्या कीजिए :
   (1) वात
   (2) वचनिका

① वात - प्राचीन कालीन राजस्थानी भाषा साहित्य की रचना। इसमें किसी कहानी को एक व्यक्ति कहता है तथा दूसरा सुनते समय 'हुंकारा' भरता है अर्थात् उस बात को आगे बढ़ाता है। उदा. - खेहा री बात

0.5(Zero½)
(Q.06(i))

② वचनिका - यह गद्य-पद्य की मिश्रित अंत्यानुप्रास रचना है जिसमें अंत की लाइनें समान होती हैं अर्थात् अनुप्रास अलंकार का प्रयोग होता है।
उदा. वचनिका राठौड़ रतनसिंह री

2(Two)
(Q.06(ii))

Do Not Write Here

यहाँ कुछ नहीं लिखें

7. Critically evaluate the attitude of the Jaipur Praja Mandal towards Quit India Movement.
भारत छोड़ो आन्दोलन के प्रति जयपुर प्रजामण्डल के दृष्टिकोण का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये ।

भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने को लेकर जयपुर प्रजामंडल में दो मत थे जिसके कारण प्रजामंडल का विभाजन हो गया।
→ प्रथम मत आंदोलन में भाग लेने वालों का था जिन्होंने बाबा हरिश्चंद्र के नेतृत्व में आजाद मोर्चा का गठन किया व आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभायी।
→ द्वितीय मत हीरालालजी शास्त्री का था जिन्होंने आंदोलन में भाग न लेकर जयपुर के प्रधानमंत्री मिर्जा इस्माइल के साथ जेंटलमेन एग्रीमेंट किया व उत्तरदायी सरकार के गठन, प्रजामंडल को शांतिपूर्वक प्रदर्शन की अनुमति, ब्रिटिश भारत के शरणार्थियों को शरण देने की अनुमति आदि स्वतंत्रताएँ प्राप्त की। (जेंटलमेन एग्रीमेंट - 17 Sept. 1942)

2(Two)
(Q.07)

8. Explain the socio-religious significance of Naynar and Alwar bhakti saints.
नयनार और अलवार भक्ति संतों के सामाजिक-धार्मिक महत्त्व को व्याख्यायित कीजिए ।

अलवार व नयनार द० भारत में ~~दक्षिण~~ पूर्व मध्यकालीन धार्मिक संत थे जिन्होंने धार्मिक आंदोलनों का नेतृत्व किया।
अलवार - ये वैष्णव संत थे जिन्होंने वैष्णव धर्म की भक्ति धारा को प्रचलित किया इनमें नाम्म-अलवार प्रमुख हैं
नयनार - ये शैव संत थे जिनमें महिला संत अंडाल प्रमुख हैं
सा०-धार्मिक महत्व - इन्होंने महिला समानता व सशक्तीकरण का प्रयास किया, इनकी धार्मिक व सामाजिक दृष्टि समतावादी थी व इन्होंने धर्म को आडंबरों से दूर करते हुए उसके सरलीकरण पर बल दिया व जातीय भेदभाव व अस्पृश्यता को दूर करने का प्रयास किया।

0.5(Zero½)
(Q.08)

9. The Razakars were the main obstacles to the accession of Hyderabad into Indian Union. Explain.
हैदराबाद के भारतीय संघ में विलय के मार्ग में रज़ाकार प्रमुख बाधा थे । स्पष्ट कीजिये ।

'रजाकार' हैदराबाद के निजाम द्वारा गठित एक सेना थी जिन्होंने हैदराबाद के विलय का विरोध किया। रजाकारों द्वारा हैदराबाद में सांप्रदायिक दंगे किए गए व स्वयं को स्वतंत्र घोषित किया गया। निजाम द्वारा पाकिस्तान में शामिल होने का प्रयास भी किया गया।

उपर्युक्त कारकों के उपरांत भी सरदार पटेल द्वारा 'ऑपरेशन पोलो' के माध्यम से रजाकारों पर नियंत्रण स्थापित किया व हैदराबाद को भारत में विलय किया गया।

0.5(Zero½)
(Q.09)

10. How did the two World Wars enhance the political and economic participation of European women?
दो विश्व युद्धों के कारण राजनीतिक व आर्थिक क्षेत्र में यूरोपीय स्त्रियों की भागीदारी किस प्रकार से बढ़ी ?

विश्व युद्धों में मरने वालों में मुख्यतः पुरुष थे जिनके कारण यूरोप में महिलाओं को मानव संसाधन के रूप में भूमिका निभाने व सार्वजनिक जीवन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ। महिलाओं द्वारा आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने, आय कमाने व व्यावसायिक निर्णय करने से उनका आर्थिक विकास हुआ। आर्थिक विकास के उपरांत महिलाओं द्वारा वोट देने व अन्य राजनीतिक अधिकारों की मांग भी तीव्र हुई तथा अनेक सामाजिक व आर्थिक क्षेत्र में सशक्त होने के कारण ये मांगें भी मान ली गई व विश्व युद्धों पश्चात् लगभग सभी यूरोपीय देशों ने महिलाओं को वोटिंग व राजनीतिक समानता का विधिक अधिकार प्रदान किया।

2.5(Two½)
(Q.10)

Unit – I/Part – C **Marks : 40**

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **100** words each. Each question carries **10** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों के उत्तर **100-100** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **10** अंक निर्धारित हैं ।

11. Give a brief account of Sun temples of Rajasthan.

राजस्थान के सूर्य मन्दिरों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

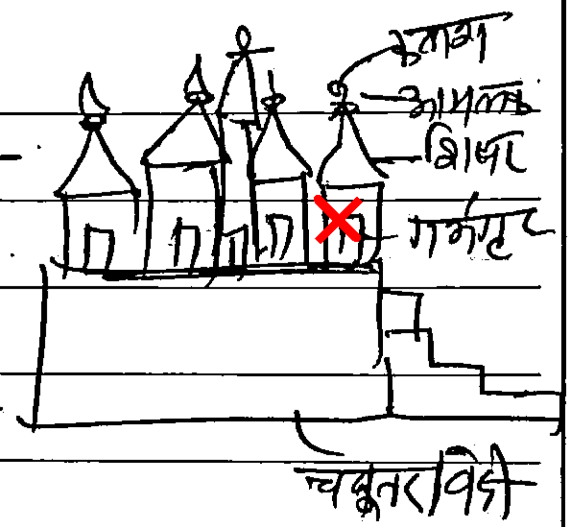

राज. में नागर शैली के प्राचीन सूर्य मंदिर देखने को मिलते हैं जिनकी प्रमुख विशेषताएँ

(1) ये चबूतरे पर ऊपर उठे हुए हैं इन्हें सीधे भूमि पर नहीं बनाया गया है।

(2) इनके शिखर की शैली 'रेखा-प्रसाद' प्रकार की है।

(3) शिखर के शीर्ष पर आमलक व कलश की स्थापना है।

(4) चँदेल शासकों द्वारा निर्मित खजुराहो के मंदिर व वल्लभी के सोलंकी शासकों के मंदिरों का प्रभाव इन पर दृष्टिगत होता है।

(5) कहीं कहीं मंदिरों का निर्माण पंचायतन शैली में भी किया गया है।

(6) शासकों के साथ-साथ सामंतों, व्यापारियों के प्रश्रय व सहायता से निर्माण।

(7) सूर्य मंदिरों में सूर्यदेव की प्रतिमा रथों पर सवार दर्शायी गयी है।

अ. झालावाड़ का सूर्य मंदिर

प्राचीन कालीन भारतीय परंपरा के समानांतर ही राजस्थान में भी सूर्य मंदिरों का निर्माण हुआ जिनमें नागर शैली के मंदिर प्रमुख है।

0.5(Zero½)
(Q.11)

Do Not Write Here

यहाँ कुछ नहीं लिखें

12. Continuity of culture is a unique feature of Indian civilization, which is unparalleled in world civilizations. Explain.
विश्व की संस्कृतियों में भारतीय संस्कृति की निरन्तरता एक अनन्य विशिष्टता है । व्याख्या कीजिए ।

वैदिक — महाजनपद — मौर्य — गुप्त — मध्यकाल — आधुनिक

सिंधुघाटी

भारतीय संस्कृति सिंधु घाटी सभ्यता से एक निरंतरता लिए हुए है जैसा कि विश्व की अन्य सभ्यताओं यथा- ग्रीक, रोमन, मेसोपोटामिया, चीन की सभ्यता में देखने को नहीं मिला है।

भारत में सिंधुघाटी प्राचीन सभ्यता से योग, सामूहिक स्नानागारों, प्रकृतिपूजा, संयुक्त परिवार आदि के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं जो कि हम वर्तमान काल में भी देख सकते हैं।

भारतीय वैदिक युगीन सभ्यता, महाजनपद कालीन धार्मिक क्रांति का प्रभाव वर्तमान भारत के धर्म व दर्शन पर प्रत्यक्षतः दृष्टिगत होता है।

विश्व की संस्कृतियों में यह निरंतरता अनूठी है जहाँ प्राचीन अमेरीकी माया, अजटेक जैसी संस्कृति व सभ्यताएँ नष्ट हो गयी; यूरोपीयन संस्कृति पूर्णतः परिवर्तित हो गयी वहीं भारतीय संस्कृति की व्यापकता व इसकी समायोजन की प्रकृति के कारण यह निरंतर अक्षुण्ण व परिष्कृत ही हुई है। इसके द्वारा इस्लाम, यूरोपीयन संस्कृतियों के गुणों को भी अपने भीतर समायोजित कर लिया गया।

भारतीय संस्कृति की इसी समतावादी व व्यापक विशेषता के कारण यह निरंतरता बनाये रखने में सक्षम हुई है।

0.5(Zero½)
(Q.12)

13. Mauryan pillar are of indigenous origin. Explain.
मौर्य स्तम्भ देशज मूल के हैं । व्याख्या कीजिए ।

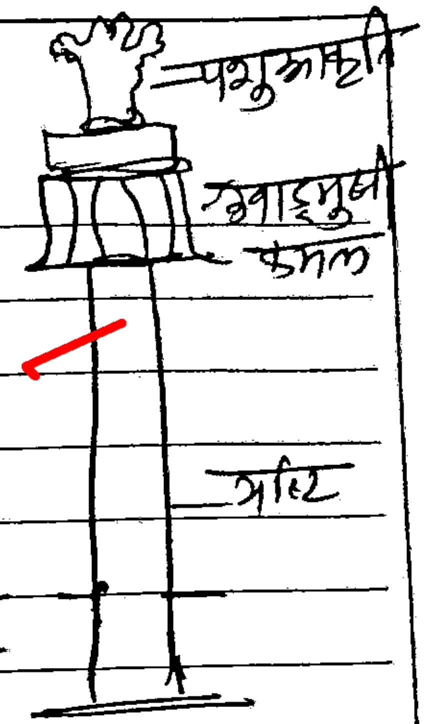

मौर्य कालीन स्तंभों की विशेषताएँ व-
① पॉलिश्ड एकाश्म पत्थर निर्मित
② अवाङ्मुखी कमल
③ शीर्ष पर पशु आकृति

इनकी संरचना के कारण इनकी तुलना हखामनी साम्राज्य के डेरियस के स्तंभों से की जाती है किंतु यह डेरियस के स्तंभों (मौर्य कालीन स्तंभ) से निम्न मामलों में भिन्न है-
① डेरियस के स्तंभ स्वतंत्र नहीं है किंतु मौर्य कालीन स्तंभ स्वतंत्र रूप से निर्मित है
② डेरियस स्तंभ एकाश्मक नहीं है। जबकि मौर्यन एकाश्मक पत्थर से निर्मित है
③ डेरियस स्तंभों पर जिगजैग आकृति है किंतु मौर्य कालीन स्तंभों पर पॉलिश्ड है।
④ डेरियस के स्तंभ शीर्ष पर मानव आकृति निर्मित है जबकि मौर्य कालीन स्तंभों पर पशु आकृति है।
⑤ इसके अतिरिक्त अवाङ्मुखी कमल, इनके प्रयोजन में भी भिन्नता है यथा - अशोक के इन स्तंभों का निर्माण प्रशासनिक व धर्म के प्रचार हेतु कराया गया था।

इस प्रकार मौर्य स्तंभ न केवल देशज है बल्कि भारतीय मौर्य कालीन वास्तुकला के उत्कृष्ट उदाहरण है इसी कारण सारनाथ के स्तंभ को भारत का राष्ट्रचिह्न बनाया गया है।

2.5(Two½)
(Q.13)

14. European industrial revolution finally gave rise to New Imperialism. Explain.

यूरोपीय औद्योगिक क्रांति ने अन्तत: नव साम्राज्यवाद को जन्म दिया । वर्णन कीजिए ।

औद्योगिक क्रांति के परिणामस्वरूप → कच्चे माल की आवश्यकता पूर्ति, निवेश हेतु पूँजी प्राप्ति व बाजार हेतु उपनिवेशों की एक होड़ स्थापित हो गयी।

(1) साम्राज्य कच्चे माल का स्रोत होते थे जहाँ से इसे सस्ते श्रम व भूमि उपलब्धता के कारण सरलता से प्राप्त किया जा सकता था।

(2) साम्राज्यों से होने वाली आय का उपयोग उद्योगों में निवेश हेतु माँग को बढ़ाने में किया जा सकता था।

(3) साम्राज्य का बाजार मातृ देश हेतु संरक्षित रहता था अत: प्रतिस्पर्धाविहीन बाजार की प्राप्ति।

(4) यूरोपियन औद्योगिक क्रांति ने यूरोपीय देशों में आंतरिक प्रतिस्पर्धा को जन्म दिया जिससे देशों में साम्राज्य प्राप्ति हेतु होड़ मच गयी।

(5) इसके साथ ही औद्योगिक क्रांति द्वारा यूरोप के साथ-साथ जापान जैसे देशों को भी साम्राज्यवाद हेतु प्रेरित किया।

(6) इटली व जर्मनी जैसे देशों को भी औद्योगिकीकरण पश्चात साम्राज्य की आवश्यकता हुई जिससे साम्राज्य विस्तार हेतु प्रतिस्पर्धा तीव्र हुई।

इसके अतिरिक्त भौगोलिक खोजों, राष्ट्रवाद के प्रसार आदि कारकों ने भी नवसाम्राज्यवाद का प्रसार किया व कुछ वर्षों में ही अफ्रीका जैसे भूभाग पर यूरोपीय कब्जा स्थापित हो गया।

5.5(Five½)
(Q.14)

Unit – II

(65 Marks)

Part – A

Marks : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर **15-15** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं।

15. What comprises non-tax revenue of the Central Government ?

केन्द्रीय सरकार के गैर-कर राजस्व में क्या समाविष्ट होता है ?

गैर-कर राजस्व

राजस्व आय

(1) प्राप्त अनुदान (विदेशी/राज्यों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं)
(2) फीस, शुल्क, सरकारी कंपनियों से लाभांश
(3) दिए गए ऋण पर ब्याज प्राप्तियाँ

पूँजीगत आय

(1) उधार/ऋण (सबसे प्रमुख स्रोत)
(2) विनिवेश
(3) ऋण वापसी

1.5(One½) (Q.15)

16. Write the name of the three economic railway corridors, which were announced in the interim budget for 2024-25 under the P.M. Gati Shakti Framework.

उन तीन आर्थिक रेलवे गलियारों के नाम लिखिए जिन्हें प्रधानमन्त्री गतिशक्ति ढाँचे के अन्तर्गत 2024-25 के अन्तरिम बजट में घोषित किया गया।

⇒ P.M. गतिशक्ति ढाँचे के अंतर्गत घोषित रेल गलियारे –

(1) ऊर्जा, खनिज व सीमेंट कॉरिडोर (E.M. and Cement Corridor)
(2) पोर्ट कनेक्टिविटी कॉरिडोर
(3) उच्च यातायात (Traffic) घनत्व कॉरिडोर

2(Two) (Q.16)

17. What is the inflation targeting framework of Reserve Bank of India ?
भारतीय रिज़र्व बैंक का मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढाँचा क्या है ?

निर्धारण - उर्जित पटेल समिति द्वारा
लक्ष्य - 2-6% (4±2%) मुद्रास्फीति (आर्थिक विकास हेतु आवश्यक)
→ मुद्रास्फीति इस रेंज से बाहर जाने पर स्पष्टीकरण । (सरकार & जानकारी देना)
→ M.P.C. का प्रमुख लक्ष्य → मुद्रास्फीति का नियंत्रण

2(Two) (Q.17)

18. Why Gyan Sankalp Portal has been established by Government of Rajasthan ?
राजस्थान सरकार के द्वारा ज्ञान संकल्प पोर्टल को क्यों स्थापित किया गया है ?

ज्ञान संकल्प पोर्टल उद्देश्य -
(1) सम, समावेशी व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
(2) इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से शिक्षा व ज्ञान तक सार्वभौमिक पहुँच स्थापित करना ।

0 (Zero) (Q.18)

19. What is the main objective of Rajasthan Janani Shishu Suraksha Yojana ?
राजस्थान जननी शिशु सुरक्षा योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

उद्देश्य (1) संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना ।
(2) इसके माध्यम से मातृ व शिशु सुरक्षा
(2) मातृ मृत्यु दर (34/ एक लाख जीवित जन्म) व
शिशु मृत्यु दर (113/ एक हजार जीवित जन्म) को
कम करके राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 के लक्ष्य 15 तक
लाना व S.D.G.-3 की प्राप्ति ।

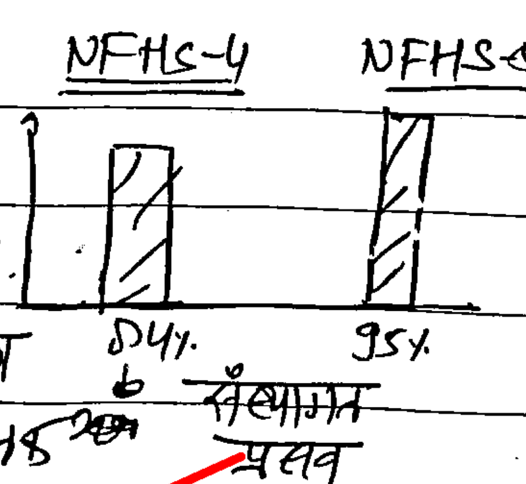

1(One) (Q.19)

Unit – II /Part – B Marks : 25

Note : Answer **all** the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : निम्न में से सभी प्रश्नों के उत्तर 50-50 शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं ।

20. What are the main objectives of Pradhan Mantri Kisan Sampada Yojana ?
प्रधानमन्त्री किसान सम्पदा योजना के प्रमुख उद्देश्य क्या हैं ?

उद्देश्य -
P.M. किसान संपदा योजना के तहत कृषि प्रसंस्करण व फसल कटाई उपरांत होने वाली हानियों को कम करना है। इसके अंतर्गत -
(1) मेगा फूड पार्क निर्माण - कृषि प्रसंस्करण को प्रोत्साहित करने हेतु।
(2) बैकवर्ड व फॉरवर्ड लिंकेज → आपूर्ति श्रृंखला को सुचारू, लॉजिस्टिक लागत↓
(3) क्लस्टर आधारित प्रसंस्करण इकाइयाँ
(4) मूल्य संवर्द्धन को प्रोत्साहन
(5) शीत भंडार गृहों का निर्माण
(6) मानव संसाधन विकास
(7) खाद्य गुणवत्ता व परीक्षण प्रयोगशालाओं निर्माण

उपर्युक्त गतिविधियों के माध्यम से भारत में खाद्यान्न बर्बादी को कम (92,500 करोड़ रु सालाना - नीति आयोग), खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर कृषक आय बढ़ाना, रोजगार व निर्यात संवर्द्धन, महंगाई नियंत्रण व कुपोषण को कम करना है।

4(Four)
(Q.20)

Do Not Write Here
यहाँ कुछ नहीं लिखें

21. What are the functions of Bureau of Investment Promotion in Rajasthan ?

राजस्थान में निवेश संवर्धन ब्यूरो के क्या कार्य हैं ?

निवेश संवर्द्धन ब्यूरो – 1991 के LPG सुधारों पश्चात् राज. में निवेश हेतु स्थापित।

(1) राज्य में निवेश को आकृष्ट करना व निवेश की सुविधा हेतु एकल खिड़की मंच हेतु कार्य करना।

(2) निवेशकों को भूमि, आधारभूत अवसंरचना, आदि सुविधाओं की उपलब्धता

(3) मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली C.I.D. व C.S. के नेतृत्व वाली एम्पावर्ड C.I.D. हेतु निवेश प्रस्तावों को प्रस्तुत

(4) निवेशकों के लिए अनुकूल नीति निर्माण हेतु सरकार को सलाह व सुझाव (5) RIICO, RAJSICO, RFC आदि द्वारा ऋण व अन्य सहायता प्राप्त करने हेतु निवेशकों की सहायता)

2(Two) (Q.21)

22. What are the objectives of 'SVAMITVA' Scheme in India ?

भारत में 'स्वामित्व' योजना के उद्देश्य क्या हैं ?

स्वामित्व योजना –

सर्वे ऑफ विलेजेस एंड मैपिंग थ्रू इंप्रूव्ड टेक्नोलॉजी इन विलेज एरिया। ✓ C.S.S. ग्रामीण विकास मंत्रालय की योजना

उद्देश्य → ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि की मैपिंग करना, भू-अभिलेखों का डिजिटलीकरण करना, स्थानीय भाषा में लिखित भू-अभिलेखों का अंग्रेजी व अन्य भाषाओं में अनुवाद, ग्रामीण कृषि भूमियों के नक्शे तैयार करना।

→ उपर्युक्त गतिविधियों द्वारा भू-धारकों के मध्य विवादों का निपटान, पट्टा प्रदान कर भूमि पर ऋण लेने में सहायता (वित्तीय समावेशन)।

इस प्रकार स्वामित्व एक बहुउद्देशीय व महत्वाकांक्षी योजना है जिसके माध्यम से वित्तीय समावेशन, विवाद समाप्ति व कृषि विकास में सहायता प्राप्त होगी।

3(Three) (Q.22)

23. What are the targets of National Logistics Policy of India ?

भारत की राष्ट्रीय रसद नीति के लक्ष्य क्या हैं ?

लक्ष्य : भारत की लॉजिस्टिक लागत को वर्तमान के GDP के 14-10% से कम करके वैश्विक विकसित देशों के औसत 6-8% तक लाना।

② मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना।

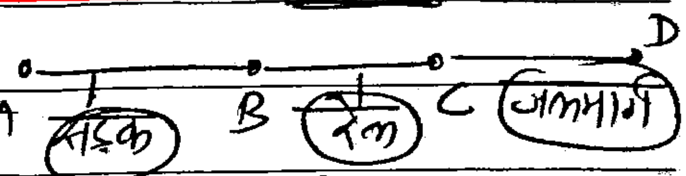

③ सड़क, रेल व जलमार्गों का विकास करना, व इस हेतु N.I.P., P.M. गतिशक्ति, सागरमाला, भारतमाला, उड़ान आदि योजनाओं का क्रियान्वयन ④ अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक कार्य प्रदर्शन सूचकांक में शीर्ष-25 देशों की श्रेणी में आना। ⑤ LEADS (लॉजिस्टिक्स ईज अक्रॉस डिफरेंट स्टेट्स) सूचकांक द्वारा राज्यों के मध्य प्रतिस्पर्धी वातावरण (प्रतिस्पर्धी संघवाद)

⑥ जलमार्गों को विशेष प्रोत्साहन ⑦ रेल व सड़क मार्गों की लागत में अंतर कम ⑧ समर्पित माल भाड़ा गलियारा ⑨ वातानुकूलित ट्रांसपोर्ट सुविधा विकास

2(Two) (Q.23)

24. Describe the main recommendations of Sixth State Finance Commission of Rajasthan.

राजस्थान के छठवें राज्य वित्त आयोग की मुख्य सिफारिशों का वर्णन कीजिये ।

(*) राज्य में पंचायती राज व नगरीय निकायों के वित्तीय स्थिति का अवलोकन व सुधार हेतु सलाह देने अनु. 243I व 243Y के तहत गठन।

सिफारिशें - ① राज्य के विभाज्य पूल से 6.75% हिस्सा स्थानीय निकायों को अनुदान में दिया जाना चाहिए। (वर्ष 2024-25 में सरकार ने इसे बढ़ाकर 7% कर दिया है)

② 6.75% राशि से 75.10% ग्रामीण पंचायती राज व 24.90% शहरी निकायों को ③ ग्रामीण निकायों के तहत वितरण

जिला परिषद् – 5% हिस्सा
पंचायत समिति – 20% हिस्सा
ग्राम पंचायत – 75% हिस्सा

④ स्थानीय निकायों को स्वयं के स्रोत व आय बढ़ाने हेतु सशक्त किया जाए।

2.5(Two½) (Q.24)

Unit – II / Part – C **Marks : 30**

Note : Answer **all** the following questions in **100** words each. Each question carries **10** marks.

नोट : निम्न में से सभी प्रश्नों के उत्तर 100-100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक निर्धारित हैं।

25. Discuss the salient features of Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana in India.
भारत में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा कीजिये।

→ उद्देश्य → फसल बुवाई से लेकर फसल कटाई के बाद तक के विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम को कवर करके कृषकों को आय स्थिरता प्रदान करना।

→ प्रावधान → प्रीमियम की राशि
- रबी फसलों हेतु → 1.5%
- खरीफ फसलों हेतु → 2%
- बागवानी फसलों हेतु → 5%

→ कृषक द्वारा देय

→ शेष राशि का वहन सरकार द्वारा किया जाएगा।

→ बीमा राशि के शीघ्र भुगतान व मामलों के निपटान हेतु मोबाइल एप तकनीक आधारित व 'रिमोट सेंसिंग' विधि का प्रयोग किया जाएगा।

→ इसके तहत स्थानीय व व्यापक आपदाओं को कवर किया जाएगा।

→ फसल कटाई के उपरांत खेत में पड़ी फसल नुकसान को कवर

→ टिड्डी आक्रमण, कीट प्रभाव, ओलावृष्टि आदि नुकसान का कवर

सीमाएँ → किसानों की जागरूकता का अभाव

→ विवाद समाधान का अभाव

→ मुआवजा जारी करने में लंबा समय

→ हाल ही में बाड़मेर-जैसलमेर के क्षेत्रों में PMFBY के तहत भ्रष्टाचार का खुलासा।

इन सीमाओं के उपरांत भी PMFBY भारत में कृषि की अनिश्चितता को दूर कर किसानों की आय को बढ़ाने व स्थिरता प्रदान करने में मुख्य भूमिका निभा सकती है।
इस हेतु किसानों के प्रीमियम राशि का स्वतः बैंक खातों से कटौती व मुआवजे की राशि का निश्चित समय में ट्रांसफर करने जैसे कदम उठाए जा सकते हैं।

3.5(Three½)
(Q.25)

Do Not Write Here

यहाँ कुछ नहीं लिखें

26. Discuss in brief India's updated Nationally Determined Contribution (NDC) submitted to the United Nations Framework Convention to Climate Change (UNFCCC).
जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन में प्रस्तुत भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित अद्यतित योगदान पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन के COP-26 में (ग्लासगो) भारत ने अद्यतित राष्ट्रीय निर्धारित योगदान की घोषणा की जिसे पंचामृत घोषणा कहा जाता है-

① 2030 तक 500 GW नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित करना - भारत सौर, पवन, हाइड्रो ऊर्जा के सम्मिलित 500GW नवीकरणीय क्षमता विकास करेगा (राष्ट्रीय सौर मिशन, कुसुम, PM सूर्योदय)

② 2030 तक 50% कुल ऊर्जा क्षमता का नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त करेगा। → वर्तमान में यह → सौर ऊर्जा ≈ 19%
पवन → 10.5%
हाइड्रो → 10.5%
⇒ लगभग 40%

③ GDP की उत्सर्जन तीव्रता में 2005 के स्तर से 45% की कमी करना। (पूर्व में 35% का निर्धारण)

④ वृक्षारोपण द्वारा 3.5-4 बिलियन टन अतिरिक्त कार्बनडाई ऑक्साइड का अवशोषण (पूर्व में 2.5-3 (पेरिस) billion टन अवशोषण का लक्ष्य)

⑤ 2070 तक Net zero emission
⇒ अर्थात निवल शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करेगा।

इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु भारत को वित्तीय व तकनीकी सहायता की आवश्यकता होगी अतः आवश्यक है कि विकसित देश अपनी जिम्मेदारी का समझें एवं ग्लोबल जलवायु वित्त व तकनीकी हस्तांतरण निश्चित करें। विभिन्न विकसित व विकासशील देशों की साझी किंतु भिन्न जिम्मेदारी के निर्वहन से ही जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध सफलता हासिल होगी व इस सदी के अंत तक ताप वृद्धि को 1.5°C से कम तक रोक पाएंगे।

5(Five)
(Q.26)

27. Write a short note on Rajasthan Water Sector Livelihood Improvement Project (RWSLIP).

राजस्थान जल क्षेत्र आजीविका सुधार परियोजना पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उद्देश्य

→ राज. के पारंपरिक जल भंडारण प्रणालियों में सुधार करने।

→ सिंचाई हेतु जल उपलब्धता सुनिश्चित करके कृषि एवं कृषकों की आय में वृद्धि।

→ पेयजल व अन्य उपयोगों हेतु जल उपलब्धता

→ भूमिगत जल पर निर्भरता कम करने व भौमजल के पुनर्भरण का प्रयास

सहयोग - यह योजना जापानी एजेंसी (JICA) के सहयोग से चलाई जा रही है।

कार्य - जल सीभर प्रबंधन

→ बांधों, एनिकट, तालाब द्वारा जल संग्रहण

→ जल कैचमेंट क्षेत्रों का विकास

→ नहरी क्षेत्रों में नहरों का पुनरुद्धार व सिंचित क्षेत्र में वृद्धि करना

→ औद्योगिक क्षेत्रों में जल उपलब्धता की सुनिश्चितता

इस प्रकार राज. जल क्षेत्र आजीविका परियोजना द्वारा बाह्य सहायता से नागरिकों को पेयजल व कृषि व उद्योगों हेतु जल उपलब्धता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि SDG-6 की प्राप्ति की जा सके।

3.5(Three½)
(Q.27)

Unit – III (Section – A) **(20 Marks)**

Part – A **Marks : 10**

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों के उत्तर 15-15 शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं ।

28. What do you mean by Westoxication ?
वेस्टोक्सीकेशन से आपका क्या अभिप्राय है ?

पश्चिमीकरण के दुष्प्रभावों के कारण भारतीय संस्कृति के विनाश व नवीन बुराइयों के जन्म को वेस्टोक्सीफिकेशन कहा जाता है।
उदा. विवाह संस्था की पवित्रता का खत्म होना।
(तलाक दर बढ़ना → सामाजिकता का कम होना)

0 (Zero)
(Q.28)

29. Mention the forms of Cultural Flow discussed by Arjun Appadurai regarding Global Society.

अर्जुन अप्पादुर्इ द्वारा वैश्विक समाज के संदर्भ में उल्लेखित सांस्कृतिक प्रवाह के स्वरूपों का उल्लेख कीजिए ।

विकसित राष्ट्र → विकासशील → कम विकसित

वैश्विक समाज में सांस्कृतिक प्रवाह उनकी अंतरराष्ट्रीय स्थिति, सॉफ्ट पॉवर व आर्थिक शक्ति पर निर्भर। अधिक शक्तिशाली व समृद्ध राष्ट्र से दूसरे राष्ट्रों की ओर गति।
उदा. अमेरिकी संस्कृति का वर्चस्व

0 (Zero)
(Q.29)

30. Casual Employment

अनियत रोज़गार

जब किसी व्यक्ति को सतत औपचारिक रोजगार प्राप्त न हो बल्कि दैनिक या मौसमी रोजगार प्राप्त हो तो इसे अनियत रोजगार कहते हैं

मुख्यतः कृषि के क्षेत्र में यह देखने को मिलता है

0.25(Zero¼) (Q.30)

31. Culture of Poverty

निर्धनता की संस्कृति

निर्धनता का कारण निर्धनता ही होती है इसे निर्धनता की संस्कृति कहते हैं

बेरोजगारी गरीबी → आय↓ → बचत↓ → मांग↓ → उत्पादन↓

गरीबी का दुष्चक्र

गरीबी → शिक्षा, स्वास्थ्य अवसर कम → मानव संसाधन का ह्रास → आय↓ → गरीबी

0 (Zero) (Q.31)

32. Demerits of Dowry System

दहेज प्रथा के दोष/कमियाँ

① महिलाओं के लिए अपमानजनक

② महिला उत्पीड़न व अत्याचार को जन्म

③ कन्या शिशु/भ्रूण हत्या व लिंग-चयन ~~गर्भपात~~ जैसी घटनाओं का कारण जिससे लिंगानुपात में कमी

④ भारत में महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा का प्रमुख कारण-दहेज

⑤ महिला शिक्षा पर खर्च का कम

2(Two) (Q.32)

Unit – III (Section – A)

Part – B   Marks : 10

Note : Answer **all** the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : निम्न में से सभी प्रश्नों के उत्तर 50-50 शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं ।

33. How Caste system represents segmental division of society ?

किस प्रकार जाति व्यवस्था समाज के खण्डात्मक विभाजन को प्रस्तुत करती है ?

M.N. श्रीनिवास ने जाति व्यवस्था को समाज के खंडात्मक विभाजन बताया। इनके अनुसार→

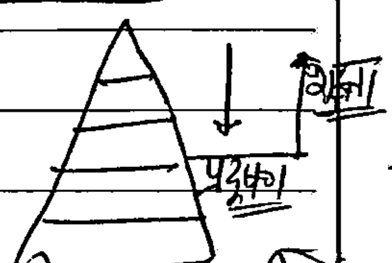

① जाति व्यवस्था पदसोपान आधार पर विभाजित होती है जिसमें एक जाति ऊँची व दूसरी उससे नीची होती है।
② जाति अंतर्विवाही है इसमें रोटी व बेटी के संबंध समाज की अन्य जातियों के साथ तय नहीं किए जा सकते। ③ जाति का स्वरूप प्रतिबंधात्मक है
④ जाति पेशा व रोजगार के रूप में समाज का विभाजन करती है।
⑤ जातियों की पदसोपानीय व्यवस्था में ऊपर से नीचे जाने पर प्रदूषण व नीचे से ऊपर जाने पर शुद्धता की भावना देखने को मिलती है।

3.5(Three½)
(Q.33)

34. Present the socio-economic profile of Garasia Tribe.

गरासिया जनजाति की सामाजिक–आर्थिक प्रोफाइल (रूपरेखा) प्रस्तुत कीजिए ।

गरासिया जनजाति

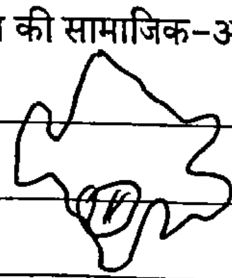

– स्थिति · सिरोही – आबूरोड,
पाली – बाली तहसील
उदयपुर – गोगुंदा तहसील

सामाजिक –
① महिलाओं की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर ② भील गरासिया व गमेती गरासिया के रूप में विभाजन ③ हिंदू धर्म के त्योहारों (होली, दशहरा) को मानना
आर्थिक रूपरेखा ① मुख्यधारा के रोजगारों से दूर ② कृषि का परंपरागत स्वरूप
③ कृषि मजदूर के रूप में कार्य ④ वनोपज, मार्केट पर निर्भरता
⑤ 'टेलरू' संस्था द्वारा आर्थिक सशक्तीकरण का कार्य

3(Three)
(Q.34)

Unit – III (Section – B) (20 Marks)

Part – A Marks : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर **15-15** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं।

35. What do you mean by the 'depth' of product portfolio ?

उत्पाद पोर्टफोलियो की 'गहराई' से आपका क्या तात्पर्य है ?

उत्पाद पोर्टफोलियो की गहराई से तात्पर्य उत्पाद की अलग-अलग पैकेजिंग में उपलब्धता से है। 0.5(Zero½) (Q.35)
उदा. शैंपू का कोई ब्रांड - 1mL, 10mL, 100mL, 200mL, 500mL, 1000mL की पैकेजिंग में शैंपू उपलब्ध करवाता है तो इसे उस उत्पाद पोर्टफोलियो की गहराई कहते हैं।

36. Who propounded the theory of 'Irrelevance of Capital Structure' ? Write one key assumption of the theory.

'पूँजी संरचना की अप्रासंगिकता' का सिद्धान्त किसने प्रतिपादित किया ? सिद्धान्त की एक प्रमुख अवधारणा लिखिए।

पूँजी संरचना की अप्रासंगिकता का सिद्धांत मोदी-गिलानी व मिलर द्वारा प्रतिपादित किया गया।
प्रमुख अवधारणा - व्यवसाय का मूल्यांकन स्थिति पूँजी संरचना पर नहीं बल्कि उसके द्वारा किए गए विक्रय/प्राप्त राजस्व पर निर्भर करता है। 1.5(One½) (Q.36)

37. List four leadership behaviours under 'Path Goal Theory of Leadership'.

'नेतृत्व के पथ लक्ष्य सिद्धान्त' के अंतर्गत चार नेतृत्व व्यवहारों की सूची बनाएँ।

① लोकतांत्रिक - कर्मचारियों को निर्णयन में शामिल

② लेसज-फेयर/निर्बाध - कर्मचारियों को पूर्ण स्वतंत्रता

③ तानाशाही - कर्मचारियों को पूर्णतया दूर, निर्णयन में भागीदारी नहीं

④ कठोर - मानवीय कारकों की बजाय केवल उत्पादन व निष्पादन पर केंद्रित रहे।

0 (Zero) (Q.37)

38. List two criteria (as per SEBI) for qualifying as an 'Angel Investor' in India.

भारत में 'एंजेल निवेशक' के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिए दो मापदंड (सेबी के अनुसार) सूचीबद्ध करें।

① एकल व्यक्ति हो

② निवेश हेतु धन अन्य व्यक्तियों से संग्रह न करें

0 (Zero) (Q.38)

39. Expand 'MICE'.

'MICE' का विस्तार करें। (मीटिंग) (इंसेंटिव्स) (कांफ्रेंस) (एग्जीबिशन)

MICE- Meeting, incentives, Conference, Exhibition

→ यह पर्यटन का एक नवीन प्रकार है।

→ राजस्थान सरकार के बजट 2024-25 में MICE पर्यटन को बढ़ाने हेतु 'राजस्थान मंडपम्' के निर्माण का प्रावधान

2(Two) (Q.39)

Unit – III (Section – B)

Part – B **Marks : 10**

Note : Answer **all** the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : निम्न में से **सभी** प्रश्नों के उत्तर **50-50** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं।

40. Who proposed Three-Needs Theory ? List and explain in brief those three needs.
त्रि–आवश्यकता सिद्धान्त का प्रतिपादन किसने किया ? उन तीन आवश्यकताओं की सूची बनाकर संक्षेप में बताएँ।

त्रि-आवश्यकता सिद्धांत का प्रतिपादन विलियम औची ने किया था जिसके अनुसार संगठन के कर्मचारियों के उच्च अभिप्रेरण हेतु → गूढ़ता, अंतरंगता व स्पष्टता पर बल दिया जाना चाहिए इसे Z theory भी कहा जाता है

→ (1) कर्मचारियों को निर्णयन में भागीदार बनाएं
(2) Hire & fire की बजाय Hire & develop.
(3) नैतिक प्रोत्साहन

तीन आवश्यकताएँ –

उचित वेतन (भौतिक अभिप्रेरण) | उचित कार्यदशा | उचित प्रमोशन व वृद्धि की संभावना

0 (Zero)
(Q.40)

Do Not Write Here
यहाँ कुछ नहीं लिखें

41. What are various types of NBFCs as per Reserve Bank of India (RBI) ?

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के अनुसार विभिन्न प्रकार की NBFC क्या हैं ?

RBI के अनुसार NBFC वे संस्थाएँ हैं जो वित्तीय क्षेत्र में कार्यरत हैं किंतु निम्न कार्य नहीं कर सकती है-

① मांग जमा को स्वीकार करना
② चेक बुक जारी करना
③ ATMs की सुविधा प्रदान करना।

NBFC के प्रमुख प्रकार
- रियल एस्टेट हेतु ऋण
- निवेश
- ऋण उपलब्धता

ये संस्थाएं अवधि जमा स्वीकार कर सकती है व रियल एस्टेट आदि सेक्टर्स हेतु ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराती है

NBFCs बैंकिंग नियमन अधि॰ से संचालित नहीं होती बल्कि कंपनी एक्ट-2013 के तहत रजिस्टर्ड होती हैं। इन पर RBI व अन्य नियामकीय संस्थाओं का दोहरा नियंत्रण है।

0.5(Zero½)
(Q.41)

Do Not Write Here

यहाँ कुछ नहीं लिखें

Paper-I

Unit – III (Section – C) (20 Marks)

Part – A Marks : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों के उत्तर 15-15 शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं ।

42. Give any four objectives of Auditing.

अंकेक्षण के कोई चार उद्देश्य दीजिए ।

प्राथमिक

(A) (*) वित्तीय विवरण विश्लेषण जिन मूल प्रमाणकों के आधार पर बनाए गए उनके आधार पर जाँच कर राय देना कि यह सही व उचित छवि प्रस्तुत कर रहा है या नहीं।

(B) गौण (1) कोई त्रुटि, भूल का पता लगाना (2) व्यवसाय की प्रबंधन की कार्यकुशलता की जाँच

(3) स्वतंत्र व्यक्ति द्वारा जाँच के माध्यम से व्यवसाय में किसी गबन, धोखाधड़ी की जाँच

(4) व्यवसाय के मालिकों को व्यवसाय की वास्तविक स्थिति के बारे में बताना।

0.75(Zero¾) (Q.42)

43. Write down any four duties of Comptroller and Auditor General of India.

भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक के कोई चार कर्तव्य लिखिए ।

CAG (कर्तव्य, शक्तियाँ, सेवा शर्तें अधि.) 1971 के तहत CAG के कर्तव्य →

(1) केंद्र सरकार व राज्य सरकार की संचित निधि के खर्चों की जाँच

(2) स्थानीय निकायों यथा-पंचायतीराज, नगरीय निकायों की जाँच

(3) सरकारी विभागों, कार्यालयों के वित्तीय व्यय, खातों व स्टॉक की जाँच

(4) केंद्र व राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों की जाँच (5) राष्ट्रपति द्वारा सौंपे अन्य कार्य

CAG विधायिका के कार्यपालिका पर वित्तीय नियंत्रण को सुनिश्चित करता है

1.25(One¼) (Q.43)

44. Write down elements of Auditing as per definition given by International Auditing & Assurance Standards Board (IAASB).

अन्तर्राष्ट्रीय अंकेक्षण तथा आश्वासन मानक मण्डल (IAASB) द्वारा दी गई परिभाषा के अनुसार अंकेक्षण के तत्त्व लिखिए।

① प्रमाणकों के आधार पर वित्तीय विवरणों की जाँच
② राय की अभिव्यक्ति
③ → ५ प्रकार की रिपोर्ट जारी — स्वच्छ, एडवर्स, डिस्क्लेमर, क्वालिफाइड
④ केवल कुछ ही भाग की जाँच

0.5(Zero½)
(Q.44)

45. Write down any four essential features of Zero Based Budgeting.

शून्य आधार बजटन की कोई चार मूलभूत विशेषताएँ लिखिये।

① ZBB में गत वर्ष के आवंटन को शून्य मानकर नए सिरे से प्रत्येक माँग का औचित्य सिद्ध करना होता है।
② व्यय की प्रभावशीलता बढ़ती है, अनावश्यक व्यय नहीं होता।
③ राजस्व घाटे व राजकोषीय घाटे का नियंत्रण
④

0.5(Zero½)
(Q.45)

46. Write any two objectives of performance budgeting as recommended by Administrative Reforms Commission.

प्रशासनिक सुधार आयोग द्वारा की गई सिफारिश के अनुसार निष्पादन बजटन के कोई दो उद्देश्य लिखिये।

① निष्पादन बजट द्वारा व्यय की बजाय वास्तविक भौतिक परिणामों के आधार पर योजना, नीति, व्यय की प्रभावशीलता का मूल्यांकन
② जिससे बजट की प्रभावशीलता बढ़े।
② सरकारी व्यय में प्रभावशीलता, कार्यकुशलता व मितव्ययता का विकास

0.5(Zero½)
(Q.46)

Paper-I

Unit – III (Section – C)

Part – B

Marks : 10

Note : Answer **all** the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : निम्न में से सभी प्रश्नों के उत्तर 50-50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं।

47. Write down any five techniques of financial statements analysis.

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की कोई पाँच तकनीकें लिखिये।

(1) अनुपात विश्लेषण – किन्हीं दो समंकों के मध्य गणितीय संबंध स्थापित करना।

(2) ब्रेक इवन पॉइंट (BEP) या पूँजी दंतीकरण अनुपात = क्रॉतिज + ऋण / समता अंश

↳ लागत = राजस्व की स्थिति ज्ञात करना।

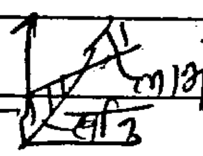

(3) प्रवृति विश्लेषण – गत वर्षों के ट्रेंड द्वारा वित्तीय विश्लेषण।

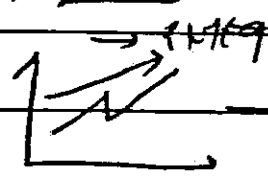

→ प्रवृति विश्लेषण

(4) समानान्तर / कर्षाधार विश्लेषण

किसी व्यवसाय के एक वर्ष के वित्तीय समंकों की आपस में तुलना करना।

(5) क्षैतिज विश्लेषण – एक से अधिक व्यवसायों या एक से अधिक वर्षों के आँकड़ों (एक ही व्यवसाय के) मध्य तुलना करना।

5(Five) (Q.47)

Do Not Write Here

यहाँ कुछ नहीं लिखें

48. Give journal entries for the following transactions without narration :

(1) Goods sold to B for ₹ 20,000 in cash and ₹ 10,000 on credit.

(2) Goods returned by B for ₹ 5,000.

(3) Withdrew goods of ₹ 5,000 for personal use.

(4) Furniture purchased for office purpose worth ₹ 30,000.

(5) Goods worth ₹ 5,000 burnt by fire.

निम्नांकित व्यवहारों की जर्नल प्रविष्टियाँ बिना विवरण के दीजिये :

(1) बी को ₹ 20,000 का माल नगद व ₹ 10,000 का उधार बेचा ।

(2) बी द्वारा ₹ 5,000 का माल लौटाया गया ।

(3) ₹ 5,000 का माल व्यक्तिगत उपयोग के लिए निकाला गया ।

(4) ऑफिस कार्य के लिए ₹ 30,000 मूल्य का फर्नीचर खरीदा ।

(5) ₹ 5,000 मूल्य का माल आग से नष्ट हो गया ।

① i) 20,000 Credit ~~to~~, स्टॉक अकाउन्ट डेबिट ✗

ii) 10000 स्टॉक अकाउन्ट डेबिट to Mr. B अकाउन्ट ✗

② 5,000 डेबिट टू Mr. B. एकाउन्ट, स्टॉक अकाउन्ट क्रेडिट

③ 5,000 क्रेडिट टू ओनर अकाउन्ट, स्टॉक अकाउन्ट ~~क्रेडिट~~ डेबिट ✗

④ → ₹ 30,000 debit ~~to~~, furniture a/c ~~credit~~ ~~डेबिट~~ क्रेडिट ✗

⑤ → 5,000 डेबिट to fire ✗

0 (Zero) (Q.48(i))

0 (Zero) (Q.48(ii))

0 (Zero) (Q.48(iii))

0 (Zero) (Q.48(iv))

0 (Zero) (Q.48(v))

SPACE FOR ROUGH WORK

Debit	Credit
Taker	Giver
Goes out	Incoming
Expenses / Losses	Income

P

N

R — व्यक्तिगत — Debit